अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–201 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 21 अक्टूबर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

थाने से 25 लाख रुपये चुराने के आरोपी की हिरासत में मौत

आगरा (उत्तर प्रदेश) (वेब वार्ता)। शहर के जगदीशपुरा थाने से 25 लाख रुपये चुराने के आरोपी व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी की सेहत बिगड़ने लगी और उसकी मौत हो गई। आगरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुनिराज जी. ने बताया कि चोरी के पैसे बरामद करने के लिए मंगलवार की रात आरोपी के आवास की तलाशी ली गई और इस दौरान अचानक उसकी तबियत बिगड़ गई। उन्होंने बताया कि आरोपी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मश्त लाया गया घोषित कर दिया।

एक गांव में लापता जोड़े के क्षत विक्षत शव मिला

कानपुर (यूपी) (वेब वार्ता)। कानपुर जिले के गांव के बाहरी इलाके में एक धान के खेत में लापता 22 वर्षीय युवक और उसकी 16 वर्षीय कथित प्रेमिका के क्षत विक्षत शव मिले हैं। दोनों उन्नाव जिले के रहने वाले हैं। पीड़ितों के शव की पहचान बालकिशन और उसकी कथित प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार यह शव कम से कम चार से पांच दिन पुराने हैं। पीड़ितों की पहचान डीएनए प्रोफाइलिंग के माध्यम से की जाएगी।

कारोबारी की हत्या का मामला उठाएंगी निर्भया की वकील

कानपुर (उत्तर प्रदेश) (वेब वार्ता)। निर्भया केस में इंसाफ की लड़ाई लड़ने वाली और हाथरस रेप और मर्डर पीड़िता का केस लड़ने वाली वकील सीमा समशद्धि अब मनीष गुप्ता मर्डर केस की पैरवी करेंगी। पिछले महीने गोरखपुर के एक होटल में पुलिस की छापेमारी के दौरान व्यवसायी मनीष गुप्ता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी और इस मामले में 6 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है।

यूपी के बलरामपुर में भाजपा नेता की पीट पीटकर हत्या

बलरामपुर (उत्तर प्रदेश) (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता की उनके प्रतिद्वंद्वियों ने बेरहमी से हत्या कर दी, जिसमें पहले उन्हें धारदार हथियार से काटा और फिर उनके ऊपर एक ट्रैक्टर चलाकर कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक भाजपा कार्यकर्ता कृष्णा शुक्ला स्थानीय स्तर पर पार्टी के प्रधान प्रतिनिधि और संगठन सचिव थे। यह घटना सोमवार रात की है। पुलिस रिपोर्टें के अनुसार, शुक्ला की जितेंद्र पांडेय के साथ प्रतिद्वंद्विता थी, जिसके खिलाफ उन्होंने दिसंबर 2020 में पंचायत चुनाव में उम्मीदवारों को मैदान में उतारने को लेकर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया था।

अप्रवासी भारतीयों को मातृ भूमि से जुड़े रहना हुआ आसान – मुख्यमंत्री योगी

कुशीनगर (वेब वार्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा हैकि केवल सुदूर बौद्ध देशों के पर्यटकों के लिए ही नहीं बल्कि दक्षिणी एशियाई देशों में रहने वाले लाखों भारतीयों को सरकार ने कुशीनगर एयरपोर्ट के रूप में एक बड़ी सौगात दी है। मातृभूमि से जुड़े रहने के लिए उन्हें अब दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री एयरपोर्ट पर बुधवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब लम्बी दूरी की यात्रा आसान हो गई है। सीएम बोले कि पूर्वांचल व पश्चिम बिहार व नेपाल के लाखों लोग लाओस, थाईलैंड, म्यांमार, कम्बोडिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर, म्यांमार में रहते हैं। जो अपनी माटी से जुड़े रहने के लिए लम्बी और समय लगने वाली कष्टकारी यात्रा करते हैं। अब वह सीधे अपने घर के एयरपोर्ट पर उतरेंगे। उन्होंने पत्रकार वार्ता में मौजूद नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली, मुंबई और कोलकाता उड़ान की घोषणा की है। सीएम ने मंत्री से उम्मीद जताई की कुशीनगर से अंतर्राष्ट्रीय व अंतर्देशीय उड़ानों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी तो यह एयरपोर्ट पूर्वी उत्तरप्रदेश के विकास के हृदय का आधार बनेगा।

इटियाथोक क्षेत्र में जुलूस निकालकर धूमधाम के साथ मनाया गया बारावफात

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। इटियाथोक कस्बे सहित क्षेत्र में बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बारावफात का त्यौहार कस्बे सहित क्षेत्र के अन्य स्थानों पर मदरसा शिक्षकों व मौलानाओं के द्वारा स्कूली बच्चों की रैली इस्लामिक झंडों सहित गाजे–बाजे के साथ निकाली गई जिसमें भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया जुलूस को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार दुबे व वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेश कुमार पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात रहे इसी क्रम में क्षेत्र के अन्य गांवों में भी बीट प्रभारी व बीट आरक्षी की मौजूदगी में निकाले गए जुलूस को सकुशल संपन्न कराया गया आपको बतादे की 12 रबी उल अव्वल त्योहार मुस्लिम समुदाय के लोग मुस्लिम धर्म के संस्थापक व मुसलमानों के आखरी पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्म की खुशी में मनाते हैं इस दिन पूरी रात मस्जिदों, मदरसों व घरों में प्रार्थनाएं चलती है जुलूस निकाले जाते हैं, मुसलमान इस दिन मजलिसें लगाते है, नमाज पढ़ते हैं उन्हें याद कर शायरी और कविताएं पढ़ी जाती हैं। पैगंबर हजरत मोहम्मद के जन्म दिवस के अवसर पर घरों और मस्जिदों को सजाया जाता है, नमाजो और संदेशों को पढ़ने के साथ–साथ गरीबों को दान दिया जाता है उन्हें खाना खिलाया जाता है, जो लोग मस्जिद नहीं जा पाते तो घर में ही कुरान पढ़ते हैं।

प्रेसवार्त्ता में प्रियंका की बड़ी घोषणा

अवध की आवाज

लखनऊ। यूपी कांग्रेस 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देगी। महिलाओं को कांग्रेस का यह निर्णय श्उस पारो के कहने परश जिसने संगम पर मेरा हाथ पकड़कर कहा मैं राजनीति में आना चाहती हूं।यह निर्णय, वैष्णवी, पारो, हाथरस की बेटी और प्रदेश की हर उस महिला के लिए है जो न्याय चाहती है, बदलाव चाहती है । आज सत्ता का नाम खुले आम पब्लिक को कुचलने का बन गया है। महिलाएं ही इस माहौल को करुणा के साथ बदल सकती है। यह निर्णय उस पूजा और मधु के लिए भी है जो रात के अंधेरे में मुझे सीतापुर के पीएसी कंपाउंड में घेरकर ले गयीं।–

शरद पूर्णिमा व श्री महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर नवीन मार्केट में कार्यक्रम आयोजन

अवध की आवाज

कानपुर महानगर। शरद पूर्णिमा व श्री महर्षि वाल्मीकि की जयंती को भाजपा ने सेवा ही संगठन के तहत भाजपा जिला कार्यालय नवीन मार्केट में कार्यक्रम आयोजित किया। पार्टी कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी कानपुर महानगर उत्तर के जिला अध्यक्ष सुनील बजाज एवं जिला पदाधिकारियों ने महर्षि वाल्मीकि जी के चित्र पर पुष्प आर्चन कर उन्हें नमन किया एवं आम जनमानस में फल व भोजन वितरित किया। भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील बजाज ने कहा कि इस पवित्र दिवस श्री शरद् पूर्णिमा एवं महर्षि वाल्मीकि की जयंती की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। इस दिवस पर हम सब को समाज में निरंतर सेवा कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए उन्होंने कहा कि आदि कवि महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत साहित्य के पहले श्लोक की

रचना की थी उनके द्वारा रचित संस्कृत का पहला श्लोक ही श्री रामायण का भी पहला श्लोक बना। उन्होंने कहा कि हमें समाज में निरंतर सेवा कार्य करने चाहिए व समाज में जब भी कहीं भी सेवा कार्यों की अवश्यकता हो हम सभी तन मन व धन से सेवा कार्य करेंगे।

सपा विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने दुलारमऊ गांव स्थित दुलारमऊ माइनर में सफाई की समस्या से सिचाई विभाग को अवगत कराया

अवध की आवाज

गोसाईगंज, लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के किसानों को सिंचाई की समस्या से निजात दिलाने के लिए क्षेत्रीय सपा विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने क्षेत्र के दुलारमऊ में स्थित दुलारमऊ माइनर में जमी सिल्ट की सफाई करने के लिए लगातार सिंचाई विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर किसानों की समस्या से अवगत कराया, और बुधवार को किसानों व ग्रामीणों के साथ सिल्ट सफाई कार्य का शुभारंभ स्वयं नारियल फोड के किया। बुधवार को क्षेत्रीय सपा विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने दुलारमऊ गांव स्थित दुलारमऊ माइनर में जमी सिल्ट की सफाई करने के लिए नारियल फोड कर सफाई कार्य की शुरुआत किया उन्होंने कहा कि नहरों की सफाई होने से पानी किसानों के खेतों तक आसानी से पहुंचेगा और उनकी फसल अच्छी होगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान

दुलारमऊ जितेंद्र पाल,सत्य प्रिय अधिशासी अभियंता, अनुज कुमार दुबे सहायक अभियंता, एमपी वर्मा जेई, जेई रमेश चन्द्र,देवतादीन रावत,राजू यादव,हरीशंकर रावत सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

ओमप्रकाश राजभर ने मऊ की जनसभा में अखिलेश यादव को किया आमंत्रित

लखनऊ (वेबवार्ता)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर मऊ में होने वाली जनसभा के लिए आमंत्रित किया। अखिलेश यादव से मिलने के बाद ओम प्रकाश राजभर ने अपने ट्विटर अकाउंट से एक ट्वीट कर कहा कि समाजवादी पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी मिलकर साथ आये। दलितों, पिछड़ों अल्पसंख्यकों के साथ सभी वर्गों को धोखा देने वाली भाजपा सरकार के चार दिन बचे हैं। इससे पहले ओम प्रकाश राजभर मऊ में होने वाली जनसभा के संबंध में जानकारी दे चुके हैं। मऊ में राजभर अपने भागीदारी मोर्चा के साथ मंच साझा करेंगे और मंच पर आने के लिए विभिन्न पार्टियों के नेताओं को आमंत्रित करने के लिए वह स्वयं जा रहे हैं।

प्राइवेट विधुत कर्मी की मौत पर ग्राम प्रधान ने दिया 88 हजार 500 रुपएका सहयोग

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा। इस प्रकार से होनी को तो नहीं ताला जा सकता है लेकिन यदि आपसी सामंजस लोगों से अच्छा व्यवहार रहा हो तो हर प्रकार से सेवा हर प्रकार से सहयोग वह व्यक्ति पा सकता है। जैसा किविगत माह हुए विद्युत स्पर्शाघात से प्राइवेट विधुत

कर्मी के कर्मचारी गुड्डू यादव की मौत पर गढ़ी ग्राम पंचायत के प्रधान अरूणेश यादव के नेतृत्व में क्षेत्र के सम्मानित लोगों द्वारा जनसहयोग से 88500 रूपये धनराशि को मृतक के पिता रामचेत यादव वा उनकी पत्नी पलक यादव को बुधवार को दिया गया। ग्राम पंचायत गढ़ी के प्रधान अरूणेश यादव उर्फ हरिश्चंद्र ने बताया कि मृतक प्राइवेट लाइनमैन गुड्डू यादव की विगत माह मोतीगंज क्षेत्र से अपने घर जाते समय रास्ते में फरेंदा चौराहे के पास गिरे विधुत तार की चपेट में आने से मौत हो गई थी । ग्राम प्रधान ने बताया कि मृतक गुड्डू यादव मिलनसार वा मृदु भाषी स्वभाव का व्यक्ति था जिसकी क्षेत्र के लोगों मे कम समय में ही अच्छी पकड़ वा व्यवहार बन गया था । अपने लोकप्रियता के बल पर कम समय में ही लोगों के दिलो मे अपनी पैठ बना ली थी मृतक मनकापुर कोतवाली क्षेत्र के बंदरहा दुमचीपुर का रहने वाला था। इस मौके पर गौरव सिंह, अनुराग सिंह, राकेश बर्मा ने पीड़ित के घर जाकरके सहायता राशि सौपी।

किसानों के चहरो पे छाई मायूसी, लगातार मुशला धारा बारिश से फसलों का हुआ भारी नुकसान

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। तीन दिनों से लगातार बारिश होने के करण किसानों का भारी नुकसान हुआ है। जिससे किसान काफी परेशान है।क्योंकि किसान की पूरी जिंदगी खेती पे है।एक बार अगर खेती में नष्ट हो जाती है।तो किसान लगभग 10 साल नही उठ सकता है। साथ ही पहाड़ो पे भी भारी बरसात होने के कारण 5.47 लाख कियूसिक पानी छोड़ दिया गया है।उससे और भी परेशानीयो का सामना करना पड़ सकता है।

कौशल किशोर शुक्ला बरोठा किसान का क्या कहेना है

इस बार बरसात से किसानों की कई फसलें प्रभावित हुई है। जैसे धान , गन्ना, केला,और साथ ही बोन वाली फसलें को भी काफी नुकसान होंगा क्योंकि इस बरसात की वजह से फसलों की बुवाई में काफी लेट होगा क्योंकि खेतो में काफी नमी होने के करण वो सही समय पे वो नही हो पायेगी। सरकार से मेरा यहा निवेदन है कि इस बार अगर फसलों के मुवावजे के तौर में कुछ आर्थिक मदद कर दी जाये तो हम लोगो को कुछ हद तक राहत मिल सकती है।

रजनीकांत शुक्ला बरोठा किसान का कहेना है

इस बार की भारी बरसात ने किसानों की पकी फसलों को नष्ट कर दिया है। कुछ ही दोनों में धान कि फसल काटने वाली थी और कही कटी हुई पड़ी थी। किसान की सोच थी कि इस बार वह अपनी फसल काट कर अपना कर्जा जो किसान क्रेडिट कार्ड पर लिया है उसे मुक्त कर देगा पर इस बरसात में उसके सारे इरादों पर ही पानी फेर दिया है किसी के घर में शादी तो किसी के घर में कुछ अब आखिरकार किसान मरता नहीं तो करता क्या किसानों की बस अब एक अपेछा सरकार से ही बची है कि वह उनको कितना मुआवजा देगी।

रजनीकांत शुक्ला

कौशल किशोर शुक्ला

धान का खेत

सम्पादकीय

भारत की आईटी कंपनियों की कामयाबी के पीछे का सच

माफ करें, पर यह सच है कि अब भारत में सकारात्मक खबरों को लेकर कोई बहुत चर्चा नहीं होती। वैसी खबरें कभी–कभी सामने आती हैं और फिर गायब हो जाती हैं। अब नेगटिव समाचारों पर अतिरिक्त फोकस का सिलसिला चालू हो गया है और सच कहें तो बढ़ता ही जा रहा है। इसका एक उदाहरण लें। देश की चार सबसे प्रमुख आई टी कंपनियां– टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में एक लाख से अधिक पेशेवर युवक–युवतियों की भर्तियां कीं। यह पिछले वित्त साल के पहले छह महीनों से 13 गुना अधिक है। ये भर्तियां ठोस संकेत हैं कि भारत का आईटी सेक्टर काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। टीसीएस में फिलहाल सवा पांच लाख पेशेवर हैं। बाकी जिन आईटी कंपनियों का हमने जिक्र किया है, उनमें भी कुल मिलाकर तो लाखों पेशेवर काम कर रहे हैं।

गौर करें कि इन कंपनियों में भर्तियां ही नहीं हो रही हैं। इनमें काम करने वाले पेशेवर बेहतर विकल्प मिलने पर अन्य कंपनियों का दामन थाम भी रहे हैं। इंफोसिस को पिछली तिमाही में उसके 20 फीसदी स्टाफ ने छोड़ दिया। अगर कोई इंफोसिस जैसी प्रतिष्ठित कंपनी को छोड़ रहा है तो समझ लें कि उन्हें उससे बहुत बेहतर अवसर मिल रहे हैं। वर्ना कोई इंफोसिस सरीखी श्रेष्ठ कंपनी को छोड़ने से पहले दस बार तो सोचेगा ही। यह तो सिर्फ एक उदाहरण था, यह बताने के लिए किस तरह देश के आईटी सेक्टर की कंपनियां तरक्की के सारे कीर्तिमान तोड़ती जा रही हैं। जो कंपनी अपने स्टाफ में नए युवक–युवतियों को रख रही है। इसका मतलब यह है कि उनका मुनाफा भी तेजी से बढ़ रहा है। टीसीएस को चालू साल की दूसरी तिमाही में 9,624 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। इसी साल की पहली तिमाही में कंपनी को 9008 करोड़ रुपये का फायदा हुआ था। इंफोसिस को चालू साल की पहली तिमाही में लगभग साढ़े पांच हजार करोड़ रुपए का लाभ हुआ। विप्रो और एचसीएल के भी शानदार नतीजे आए। लेकिन इतनी शानदार खबर को लेकर देश में कोई खास बात नहीं हुई। आजकल बात तो सिर्फ यह होती है कि कहां और कैसी हिंसा हुई या देश को क्षति पहुंची।

बहरहाल, कहने वाले तो यही कहते हैं कि टाटा समूह ने हाल ही में एयर इंडिया को 18 हजार करोड़ रुपए में अपनी फ्लैगशिप कंपनी टीसीएस के लगातार हो रहे भारी–भरकम मुनाफे के चलते ही खरीदा। टीसीएस के दो तिमाही के नतीजों के दम पर टाटा समूह एयर इंडिया को आसानी से खरीद सकता था। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस, विप्रो और एचसीएल की अभूतपूर्व उपलब्धि के आलोक में क्या आपने कभी सोचा कि कौन सी कंपनियां मुनाफा कमाने में अव्वल रहती हैं? किनकी साख बाजार में सबसे अधिक होती है? इन सवालों के जवाब खोजने मुश्किल नहीं है। ये सब इसलिए आगे बढ़ रही है क्योंकि इन्हें नेतश्त्व बेहतरीन मिला हुआ है।

अब टीसीएस को ही लें। इसके मौजूदा चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश गोपीनाथ के टीसीएस में शिखर पद को संभालने से पहले ही टीसीएस विश्व स्तरीय कंपनी बन चुकी थी। इसका श्रेय टाटा समूह के मौजूदा चेयरमेन एन.चंद्रशेखर को ही देना होगा। वे टीसीएस के 2009 में सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बन गए थे। उन्होंने टीसीएस से ही अपने पेशेवर करियर का आगाज किया था। उन्हें टीसीएस स्वस्थ हालत में मिली थी। चंद्रशेखर ने टीसीएस में रहते हुए टाटा समूह के चेयरमेन रतन टाटा और टीसीएस के फाउंडर चेयरमेन फकीरचंद कोहली से लीडरशिप के गुणों को सीखा था। अगर आज भारत को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया सबसे खास शक्तियों में से एक मानती है और भारत का आईटी सेक्टर 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया है तो इसका क्रेडिट फकीरचंद कोहली जी को ही देना होगा। उन्होंने ही वस्तुतः देश के आईटी सेक्टर की नींव रखी था। कोहली और रतन टाटा के साथ काम करके चंद्रशेखर ने प्रौद्योगिकी जगत में नवोन्मेष और उत्कृष्टता की संस्कृति को संस्थागत स्वरूप देना सीखा।

तमिलनाडू के तंजावुर के रहने वाले शिव नाडार की अगर बात करें तो उन्होंने एचसीएल टेक्नोलॉजीज को अपने लंबे नेतश्त्व के दौरान इसे महान सॉफ्टवेयर कंपनी के रूप में खड़ा किया। कहते हैं कि वे अपने सीईओज और मैनेजरों को हमेशा कुछ हटकर करने के लिए प्रेरित करते रहते थे। नाडार अपने अफसरों के सदैव साथ खड़े रहते हैं। वे उनका असफलता में भी कभी उनका साथ नहीं छोड़ते थे। इसलिए उनके मैनेजर भी बेहतरीन नतीजे लाकर देते। शिव नाडार ने एचसीएल टेक्नोलॉजीज की स्थापना की थी। अब करीब आधा दर्जन देशों में, 100 से ज्यादा कार्यालय, करीब एक लाख पेशेवर इंजीनियर उनके साथ जुड़े हैं। नोएडा में तो शिव नाडार के दफ्तरों की भरमार है। नाडार में जेआरडी टाटा का अक्स देखा जा सकता है। दोनों की शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति सोच लगभग एक सी है।

अगर बात इंफोसिस लिमिटेड की करें तो इसका भले ही मौजूदा सीईओ सलिल पारेख हैं, पर इसकी बुनियाद चट्टान जैसी मजबूत है। इसकी नींव डाली थी एन. नारायणमूर्ति जैसे युगांतकारी उद्यमी ने। उन्हें इस बाबत सहयोग मिला नंदन नीलकेणी जैसे साथियों का। नंदन नीलकेणी आजकल भी इंफोसिस के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। नारायणमूर्ति अपने जीवन के हर पल को सार्थक बनाने में जुटे ही रहते हैं। बेशक मानव जीवन क्षण भंगुर हो, फिर भी उसे इंसान को अपने सतकर्मों से ही सार्थक बनाने का अवसर ईश्वर प्रदान करते हैं । अंधकार का साम्राज्य चाहे कितना भी बड़ा हो पर एक कोने में पड़ा हुआ छोटा सा दीपक अपने जीवन के अंत समय तक अंधेरे से मुकाबला तो करता ही रहता है। अब देखिए कि फूलों का जीवन कितना छोटा सा होता है पर वो अपने सुगंध देने के धर्म का निर्वाह तो करते ही रहते है। नारायणमूर्ति ने अपने जीवन को फूलों और दीपक जैसा जाने–अनजाने में बना ही लिया है। वे सदैव पहले से भी बेहतर कर्म करते ही रहना चाहते हैं। उनका जीवन भी बेदाग रहा है। वे अपनी कंपनी को नई दिशा देते हुए कल्याणकारी योजनाओं के लिए मोटी राशि समाज कल्याण के कार्यों के लिये दान में देते रहे हैं। इसीलिए तो वे और उनकी इंफोसिस लगातार सफलता ही अर्जित कर रही है।

इन सबकी ही तरह ही विप्रो लिमिटेड के चेयरमेन अजीम प्रेमजी भी हैं। उनमें एक कमाल का गुण है। वे चुन–चुनकर एक से बढ़कर एक मैनेजरों को अपने साथ जोड़ लेते थे। अजीम प्रेमजी सिर्फ मेरिट पर विप्रो में पेशेवरों को अहम पद देते हैं। उनके कुशल निर्देशन के फलस्वरूप विप्रो को देश की चोटी की आईटी कंपनी का दर्जा प्राप्त है। तो लब्बोलुआब यह है कि भारत की आईटी कंपनियों के आगे बढ़ने से जहां नौजवानों को रोजगार के भारी अवसर मिल रहे हैं, वहीं देश को भारी आयकर और विदेशी मुद्रा भी मिल रहा है। लेकिन वे ही कंपनियां आज के दिन अभूतपूर्व सफलता हासिल कर रही हैं, जिन्हें सशक्त नेतश्त्व मिला हुआ है।

त्योहारों पर सरकार का तोहफा:मंहगाई के साथ रेल भाड़ों में भी वश्द्धि

–निर्मल रानी–

भारत सरकार ने पिछले दिनों करोड़ों की तादाद में मजबूत थैले सिलवाकर उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा सा चित्र छपवाकर उन्हीं थैलों में मुफ्त राशन वितरित करवाकर प्रधानमंत्री को 'गरीबों के मसीहा' के रूप में प्रचारित करने की कोशिश की। देश भर में कोरोना निरोधक वैक्सीन लगाने वालों को जो प्रमाण पत्र जारी किया गया उनपर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र अनिवार्य रूप से छपा नजर आया। और इस टीकाकरण अभियान के दौरान जब भाजपाई मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों की ओर से 'धन्यवाद मोदी जी ' नामक जो महा प्रचार अभियान छेड़ा गया उससे भी यही एहसास हुआ कि गोया यदि 'मोदी जी' न होते तो देश की जनता वैक्सीन जैसे कोरोना के एकमात्र कवच को हासिल करने से वंचित रह जाती। परन्तु यही सरकार जब बढ़ती बेरोजगारी के आंकड़े छिपाती है,रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों,खाद्य वस्तुओं,दलहन व तेलहन के मूल्यों में लगती आग पर चर्चा ही नहीं करती,पेट्रोल डीजल व रसोई गैस की कीमतों से नियंत्रण खो बैठती है तो निश्चित रूप से सरकार व सरकार के मुखिया की मसीहाई न केवल संदिग्ध लगने लगती है बल्कि यह प्रचार तंत्र का एक 'फंडा ' मात्र प्रतीत होता है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री ने कोरोना काल की शुरुआत में देश के लोगों को 'आपदा में अवसर ' तलाश करने का जो 'महा मंत्र ' दिया था उससे जनता भले ही लाभान्वित न हो सकी हो परन्तु सरकार व उसके चतुर सलाहकारों ने 'आपदा में अवसर ' ढूंढ निकालने का कोई भी अवसर नहीं गंवाया।

उदाहरण के तौर पर कोरोना काल में सवारी–मेल–एक्सप्रेस रेल गाड़ियों का परिचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया था। उसके बाद जब सबसे पहले दो महीने बाद आहिस्ता आहिस्ता रेल परिचालन शुरू किया गया तो सबसे पहले राजधानी ट्रेन्स की शुरुआत की गयी। फिर धीरे धीरे अन्य ट्रेन्स शुरू की गयीं। अभी भी पूरी क्षमता के साथ सभी ट्रेन्स का संचालन नहीं हो पा रहा है। परन्तु कोरोना काल के दौरान या उसके बाद शुरू की गयी रेल गाड़ियों में 'रणनीतिकारों ' ने 'आपदा में अवसर ' की तलाश करते हुए कुछ ऐसी चतुराई की जिसकी गाज उन गरीब व साधारण रेल यात्रियों पर पड़ी जो कोरोना काल में या तो बेरोजगार हो चुके थे या उनकी तनख्वाहें आधी हो चुकी थीं। सरकार ने लंबी दूरी की अनेकानेक नियमित रेल गाड़ियों के आवागमन के समय में थोड़ा परिवर्तन किया,किसी के रुट में कुछ बदलाव किया,कुछ ट्रेन्स के कुछ पड़ाव कम कर दिये जिससे यात्रियों को ही परेशानी उठानी पड़ी। इसके बाद ट्रेन नंबर में मामूली फेर बदल कर उन्हें 'विशेष रेलगाड़ियों' की श्रेणी में डाल दिया। इस चतुराई के बाद सरकार ने इन ट्रेनों के किराये में भी बढ़ोतरी तो कर ही दी साथ साथ वरिष्ठ नागरिकों व अन्य श्रेणी के लोगों को किराये में मिलने वाली छूट भी समाप्त कर दी।

देश को भली भांति याद होगा जब गत वर्ष बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के अंतिम दिन एक नवंबर 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने छपरा में एक रैली को संबोधित करते हुए छठ पूजा का जिक्र करते हुए बिहार की मां–बहनों से अत्यंत मार्मिक शब्दों में संबोधन करते हुए कहा था कि – 'कोरोना काल में आप छठ पूजा कैसे मनायें, इसकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। आपका बेटा दिल्ली में बैठा है। आप तो बस छठ पूजा की तैयारी करो। उन्होंने कहा कि दुनिया में आज कोई ऐसा नहीं है, जिसे कोरोना ने प्रभावित न किया हो और जिसका इस महामारी ने नुकसान न किया हो। एनडीए की सरकार ने कोरोना की शुरुआत से ही प्रयास किया है कि वो इस संकट काल में देश के गरीब, बिहार के गरीब के साथ खड़ी रहे। हम गरीबों को मुफ्त अनाज दे रहे हैं। कोरोना के काल में किसी मां को ये चिंता करने की जरूरत नहीं है कि छठ पूजा को कैसे मनाएंगे। अरे मेरी मां! आपने अपने बेटे को दिल्ली में बैठाया है, तो क्या वो छठ की चिंता नहीं करेगा? मां, तुम छठ की तैयारी करो, दिल्ली में तुम्हारा बेटा बैठा है।' प्रधानमंत्री का यह कितना हृदयस्पर्शी भाषण था ? आज इस भाषण को पूरे एक वर्ष बीत चुके हैं। दुर्गा पूजा दशहरा के बाद एक बार फिर छठ व दीपावली के त्यौहार सिर पर हैं। आम आदमी की कोरोना काल से टूटी कमर अभी सीधी भी नहीं हुई है कि मंहगाई गत वर्ष की तुलना में काफी अधिक बढ़ चुकी है। परन्तु सरकार इसमें भी अवसर तलाशने में जुट गयी है। झारखण्ड– बिहार– दिल्ली– पंजाब– महाराष्ट्र–बंगाल जैसे कई राज्यों में कई 'विशेष त्यौहारी रेलगाड़ियों' का परिचालन शुरू किया गया है तो कई गाड़ियों के फेरे बढ़ा दिए गये हैं। कहने को तो रेलवे त्यौहार मनाने हेतु घर–गांव जाने वाले लोगों की 'सुविधा' के लिये यह व्यवस्था कर रहा है। परन्तु इन स्पेशल रेलगाड़ियों में सभी श्रेणियों के यात्रियों से 30 प्रतिशत अतिरिक्त किराया वसूल किया जा रहा है। यदि सरकार संवेदनशील व वास्तव में जनहितैषी होती तो उसे किराये में 30 प्रतिशत बढ़ोतरी करने के बजाये 20–30 प्रतिशत की छूट देनी चाहिये और वरिष्ठ नागरिकों व अन्य श्रेणी के लोगों को किराये में दी जाने वाली छूट भी बहाल करनी चाहिये। परन्तु सरकार कोरोना की मार झेलने वाले श्रमिकों से अतिरिक्त किराया वसूल रही है। 'बिहार की माओं ' पर क्या गुजरेगी जब उनका 'बेटा' 30 प्रतिशत अतिरिक्त रेल किराया भरकर और कमर तोड़ मंहगाई में खाली हाथ अपने घर आँगन पहुंचेगा ? उधर देश के कई रेल स्टेशन्स पर 'अतरिक्त यात्री सुविधा शुल्क' पर 15से लेकर 35 रूपये प्रति यात्री वसूलने की भी तैयारी हो चुकी है। काश,बिहार में दिये गये पिछले वर्ष के चुनावी भाषण के मर्म को समझते हुए प्रधानमंत्री ने मंहगाई कम करने की तरफ ध्यान दिया होता,कम से कम रेल भाड़ों में ही बढ़ोत्तरी न की होती तो शायद 'देश की माओं' को यह एहसास होता कि वास्तव में उनका 'बेटा ' दिल्ली में तख्त नशीं है। अन्यथा कमर तोड़ मंहगाई के साथ साथ रेल भाड़ों में भी वृद्धि कर देना और सभी छूट समाप्त कर देना तो यही एहसास कराता है कि यह सब जुमलेबाजियाँ हैं जो सुनने में कानों को तो भले ही मधुर लगती हों परन्तु यह जनता को 'छलने' के प्रयास के सिवा कुछ भी नहीं।

दादाजी: मानव और समाज निर्माण के प्रणेता

–डॉ. हितेश–

देश के अग्रणी महापुरुषों में शामिल पांडुरंग शास्त्री जी आठवले ने सामाजिक और मानव निर्माण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने लोगों के समक्ष निष्काम भाव से कर्म का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत कर लाखों लोगों और कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। दादा के नाम से मशहूर पांडुरंग शास्त्रीजी आठवले ने श्रीमदभागवत गीता के विचारों की सिद्धि के द्वारा हिंदुस्तान ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लोगों को स्वाध्याय द्वारा श्वेत क्रांति का सन्देश दिया। उन्हें टेम्पल्टन प्राइज, रेमन मैग्सैसे सम्मान सहित भारत सरकार की तरफ से दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया।

श्रीमदभागवद गीता के विचारों को अपनी सरल शैली में लोगों को बताकर, उन्होंने लाखों लोगों को स्वार्थ के बिना कर्म करने के लिए प्रेरित किया है। आज विश्वभर में दो करोड़ से भी ज्यादा उनके अनुयायी हैं, जो गीता के सिद्धांत पर चलकर, अपना टाईम, टिफिन और अपना टिकट खर्च करके, हार्ट टू हार्ट और हट टू हट गीता के विचारों को पहुंचा रहे हैं।

पांडुरंग शास्त्री का जन्म महाराष्ट्र के रोहा गाँव में 10 अक्टूबर 1920 में हुआ था और 25 अक्टूबर 2003 में मुंबई में उन्होंने देह का त्याग किया। मराठी होने के नाते पांडुरंग शास्त्री जी को 'दादा' के नाम से लोग पुकारा करते थे, जिनका अर्थ बड़ा भाई होता है। आज हमारे देश के एक लाख से भी ज्यादा गाँवो में और विश्व के 40 से भी अधिक देशों में लोग स्वाध्याय कार्य नियमित और अक्षरशः भगवद गीता के विचारों और सिद्धांतों पर चल रहे हैं। 2003 में दादाजी के निधन के बाद, उनकी बेटी जयश्री आठवले जी ने उनका कार्यभार संभाला था, जिनको ''दीदी'' के नाम से स्वाध्यायी लोग जानते हैं। दादाजी को जब 70 साल पूरे हुए तब से लेकर अबतक, हर साल स्वाध्याय परिवार उनके जन्मदिन को 'मनुष्य गौरव दिन' के नाम से मनाता रहा है। पांडुरंग शास्त्रीजी की एक विशेषता यह थी की उन्होंने कभी भी प्रेस और मीडिया का प्रयोग अपने और अपने कार्य की प्रसिद्धि के लिए नहीं किया। दादा जी ने अपने पूरे जीवन में भगवदगीता के 700 श्लोकों पर 6 से 7 बार प्रवचन किये हैं और आज लाखों वीडियो कैसेट उनके गीता और वेद–उपनिषद के प्रवचनों में उपलब्ध है। उनकी दूसरी विशेषता है कि उनके प्रवचन की कोई भी विडियो कैसेट बाजार में बिकती नहीं है। अगर किसी को उनका प्रवचन सुनना है तो उन्हें दादाजी के स्वाध्याय केंद्र में ही जाना पड़ता है और वहीं पर सबके साथ बैठकर वो प्रवचन सुन सकते हैं। दादाजी की तीसरी विशेषता यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी भी किसी से सामने हाथ फैलाया नहीं। किसी भी तरह का फंड और डोनेशन कभी स्वीकार नहीं किया। दादाजी, भारत के 10,000 गाँवों में पैदल चलकर या साइकिल पर खुद गए और घरों एवं खेतों में जाकर लोगों को गीता का उपदेश सुनाया है।

शास्त्री जी ने देश के छोटे–छोटे गाँवों में जाकर भगवद गीता के नियम के अनुसार गाँव में अपौरुषेय लक्ष्मी उत्पन्न करके वही लक्ष्मी गाँव के जरूरतमंदों को प्रसाद के रूप में मिले, जिससे कोई देने वाला बड़ा न हो और लेने वाला छोटा न हो, ऐसे अनगिनत प्रयोग दिए है। जिसमें एक गाँव का हर कोई कर सके ऐसा प्रयोग, योगेश्वर कृषि, 20 गाँवों का सामूहिक प्रयोग श्रीदर्शनम, मछुआरों के लिए मत्स्यगंधा, पूरे एक जिले का प्रयोग वृक्षमंदिर, गाँव के एक ही स्थान पर इकठ्ठे होकर सुबह शाम प्रार्थना करने के लिए और उनके द्वारा गाँव के सारी मुश्किल दूर करने के लिए अमृतालयम, उनके प्रयोग में अति लोकप्रिय बन चुके हैं। एक खेत में गाँव के सब लोग काम करके अपौरुषेय लक्ष्मी पैदा करके, गाँव के उत्थान के लिए उपयोग किया जा सकता है, यह किसी की सोच में ही नहीं था, जो उन्होंने सैंकड़ों गाँवों में करके दिखाया है।

इलाहाबाद में 'तीर्थराज मिलन' करने के बाद देशभर में उनके कई बड़े कार्यक्रम हुए जिसमे 10 लाख, 15 लाख, लोग इकट्ठे होते थे, पर कोई पुलिस या सिक्युरिटी की जरूरत न पड़े ऐसे 'स्वयं शिस्त' का उनके कार्यक्रम जैसा उदहारण आजतक हमारे देश में कोई दे नहीं सका। दूसरी विश्वधर्म परिषद् में भारत के प्रतिनिधि के रूप में दादाजी को आमंत्रित किया गया था और उनके द्वारा कहे भगवद गीता के विचारों से विश्व के कई देश और कई लोग बहुत प्रभावित हुए थे।

दादाजी ने स्वाध्याय कार्य की शुरुआत गुजरात से की थी और फिर महाराष्ट्र से आगे देशभर में लेकर गए। गुजरात में अलग–अलग कई स्थानों पर बिना मूल्य वेद–उपनिषद एवं कौशल के लिए उनके द्वारा पाठशाला शुरू की गई है। मुंबई के पास थाना में एक विद्यापीठ की स्थापना की गई है। जहां स्नातक होने के बाद युवाओं को वेद–उपनिषद का प्रशिक्षण बिना मूल्य दिया जाता है।

जब–जब कोई अच्छा काम होता है तब उसमें बाधा डालने वाले लोग तो तैयार ही होते हैं। और ऐसे ही उनके यह पवित्र कार्य में भी हुआ था। 'दीदाजी' के 80वें साल के कार्यक्रम पर उनकी खराब तबियत के कारण जब उन्हें ऐसा लगा कि अब इस कार्य की डोर किसी को सौंपनी चाहिए तब उनका प्रस्ताव एकमात्र उनकी दत्तक पुत्री, 'जयश्री दीदी' के नाम पर ही था। यह बात भी सही थी क्योंकि जो कार्य अपनी कड़ी महेनत से तैयार किया गया हो, उसको वह किसी के भी हाथ में कैसे दे ? उनकी यह बात में कोई वांशिक परंपरा का उद्देश्य नहीं था पर जिस व्यक्ति को उन्होंने बचपन से ही अपने साथ रखकर संस्कृति के विचारों पर चलना सिखाया था, उस पर ही उनका विश्वास होता न। लेकिन सालों से पद, प्रतिष्ठा और पैसे की लालसा में उनके आसपास भी ऐसे कई लोग थे, जो चाहते थे की यह जिम्मेदारी उनको दी जाये, जो दादाजी को मंजूर नहीं था। और यही बात को लेकर देशभर में यह 10–12 लोगों ने स्वाध्याय कार्य के कई अनुयायी को उकसाया और 'दीदी' का विरोध किया। सिर्फ विरोध ही नहीं किया पर दादाजी और दीदीजी पर कई तरह के पैसों को लेकर आरोप लगाये, जो बिलकुल गलत थे। वो सारा स्वाध्याय परिवार जानता था।

यह बात अति सिद्ध है कि अगर दादाजी को पैसे की लालसा होती तो जब डॉ. राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति थे तब उनके पास उनकी 'तत्वज्ञान विद्यापीठ्' में गए थे, जब दादाजी कई आर्थिक मुश्किलों में घिरे हुए थे और राधाकृष्णन ने उनको कई चीजें ऑफर की थी तब उन्होंने बहुत नम्र भाव से कहा था कि, यह कार्य भगवान का है। उसको चलाना है तो वो अपने आप मदद कर देगा, यह कार्य को सरकारी मदद की जरूरत नहीं है।

उनके कार्यकाल में एक–दो ऐसे प्रसंग भी हुए जो स्वाध्याय कार्य के लिए ज्यादा चर्चित हो गए थे और उसके खिलाफ भी थे, पर इतने बड़े कार्य में ह्यूमन एरर मतलब मानव भूल हमेशा होती है और कुछ अनुयायी की वजह से ऐसा हुआ था। पर सारा स्वाध्याय परिवार दादाजी के द्वारा दी गई दीदीजी की जिम्मेदारी के साथ ही रहा और अनेक मुश्किलों के बाद भी कार्य आगे बढ़ता गया। दादा और दीदी ने आजतक कभी भी अपने परिवार के लोगों को उकसाया नहीं है और कभी किसी को गलत मार्ग में चलने की प्रेरणा नहीं दी। आज देश के एक लाख गाँवों से ज्यादा और विश्व के 40 ज्यादा देशों में यह पवित्र कार्य गति के साथ चल रहा है।

दादाजी ने बगैर कंठी बांधकर और कोई लौकिक धार्मिक प्रक्रिया के बिना लाखों लोगों को 'एक बाप– ईश्वर' के बंधन से जोड़ा। स्वाध्याय कार्य शुरू हुआ तब भी कोई फंड–डोनेशन नहीं होता था और आज भी नहीं होता है। बिना किसी लेनदेन से ही यह कार्य चल रहा है। हमारे देश में यह संभव ही नहीं है कि कोई एक धार्मिक संस्था हो और उसका प्रमुख–मंत्री न हो, उसके लिए कोई डोनेशन न हो, लेकिन यह असंभव बात को दादाजी ने संभव करके दुनिया के सामने रखा है और वो है–स्वाध्याय कार्य।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कालेज छात्रों के लिए ई-कंटेंट

–डा. वरिंदर भाटिया–

उच्च शिक्षा जगत से जुड़ी ताजा खबर है कि मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के तहत फर्स्ट ईयर के कोर्सेस के लिए सभी डिपार्टमेंट्स के 17 प्रमुख सबजेक्ट का ई–कंटेंट तैयार किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक 10 नवंबर तक 1 हजार से ज्यादा ई–कंटेंट मॉडल तैयार किए जाने की प्लानिंग है। फर्स्ट ईयर के लिए लगभग 1500 मॉड्यूल्स के ई–कंटेंट तैयार करने का लक्ष्य है। इसके बाद कुछ अन्य विषयों पर भी कंटेंट तैयार किए जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आधार पर ई–कंटेंट उपलब्ध कराने वाला मध्यप्रदेश संभवतः देश का पहला राज्य होगा, जहां कॉलेज के स्टूडेंट्स को कोर्स की किताबों के अलावा पढ़ाई के लिए ई–मैटीरियल भी उपलब्ध होगा। यह ई–कंटेंट ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध होगा। तैयार किए जा रहे कंटेंट छात्रों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम के मुताबिक वीडियो व्याख्यान, ई–टेक्स्ट, मूल्यांकन के प्रश्न और अन्य विषयवस्तु के लिए उपलब्ध होंगे। जानकारी के मुताबिक नियमित शिक्षकों, अतिथि विद्वानों द्वारा यह कार्य निःशुल्क किया जा रहा है। राजस्थान में भी सभी विषयों के बेहतरीन कंटेंट को तैयार कर उन्हें ऑनलाइन किया जाएगा और जहां पर विषयों के लेक्चरर की कमी है, वहां पर इस ई–कंटेंट के जरिए विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा। आज के दौर में ई–कंटेंट का छात्रों के लिए बहुत महत्त्व है।

ई–कंटेंट का कांसेप्ट समझना जरूरी है। मान लो कि आपके पास अध्ययन के लिए बहुत–सी किताबें, पत्रिकाएं आदि सामग्री है। यह सामग्री आपके पास पेपर पर उपलब्ध है तो इस सामग्री को हम आम बोलचाल की भाषा में पेपर–कंटेंट कह सकते हैं। इसके विपरीत यदि यही सामग्री डिजिटल फॉर्म में या इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में हो तो इसे ई–कंटेंट कहते हैं। ई–कंटेंट ई–शिक्षा को गतिशील करने में सक्षम है। ई–कंटेंट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि छात्र अपनी सहूलियत के हिसाब से किसी भी समय और कहीं पर भी अपना शैक्षिक कार्य कर सकते हैं। अर्थात इस शैक्षिक व्यवस्था में समय और स्थान की कोई पाबंदी नहीं है। ई–कंटेंट के माध्यम से छात्र वेब आधारित स्टडी मैटीरियल को अनिश्चित काल तक एक्सेस कर सकते हैं और बार–बार देख कर इसके जटिल पहलुओं को समझ सकते हैं। ई–शिक्षा के माध्यम से पढ़ाई करना काफी हद तक कम लागत वाली होती है, क्योंकि छात्रों को पुस्तकें या किसी दूसरे स्टडी मैटीरियल पर पैसा खर्च नहीं करना पड़ता है। ई–कंटेंट पर्यावरण की दृष्टि से भी लाभदायक है क्योंकि यहां जानकारी को किताब के बजाय वेब आधारित एप व पोर्टल पर स्टोर किया जाता है। इससे कागज के निर्माण हेतु पेड़ों की कटाई पर रोक लगती है और हमारे पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। ई–शिक्षा इंटरनेट और कंप्यूटर कौशल का ज्ञान विकसित करती है जो विद्यार्थियों को अपने जीवन और करियर के क्षेत्र में आगे बढने में मदद करेगा।

ई–शिक्षा की राह में चुनौतियां भी हैं। बिना आत्म अनुशासन या अच्छे संगठनात्मक कौशल के अभाव में विद्यार्थी ई–शिक्षा मोड में की जाने वाली पढ़ाई में पिछड़ सकते हैं। छात्र बिना किसी शिक्षक और सहपाठियों के अकेला महसूस कर सकते हैं। परिणामस्वरूप वे अवसाद से पीडित हो सकते हैं। खराब इंटरनेट कनेक्शन या पुराने कंप्यूटर, पाठ्यक्रम एक्सेस करने वाली सामग्री को निराशाजनक बना सकते हैं। भारत में बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी का अभाव व इंटरनेट की कम गति ई–शिक्षा की राह में सबसे बड़ी चुनौती है। वर्चुअल क्लासरूम में प्रैक्टिकल या लैब वर्क करना मुश्किल होता है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों की भांति विद्युत व्यवस्था का अभाव है, जो ई–शिक्षा में रुकावट बन सकती है। आज के दौर में ई–कंटेंट विद्यार्थियों की आवश्यक मजबूरी बन गया है। दरअसल ई–सामग्री की कुछ विशेषताएं ही इसे अति महत्त्वपूर्ण बना देती हैं। ई–कंटेंट की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता इसका अपडेटेड होना है। सामान्यतः देखा जाता है कि मार्केट में उपलब्ध किताबें एक वर्ष पुरानी होती हैं। अपडेटेड सामग्री (एक वर्ष के भीतर के समसामयिक घटनाक्रम) का प्रायः उनमें अभाव होता है, जबकि परीक्षा में ज्यादातर प्रश्न इन्हीं अपडेटेड जानकारियों से पूछे जाते हैं। इसके अतिरिक्त कुछ विषय जैसे अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय संबंध, दिन–प्रतिदिन की प्रौद्योगिकी आदि में घटनाक्रम तेजी से बदलते हैं। अतः इनमें ई–कंटेंट कहीं अधिक प्रासंगिक हो जाता है। कुल मिला कर विभिन्न विषयों जैसे अर्थशास्त्र, विधि, विज्ञान व प्रौद्योगिकी आदि की नवनीनतम सामग्री कहीं अधिक उपयोगी होती है। इसके अतिरिक्त ई–कंटेंट की जो दूसरी महत्त्वपूर्ण विशेषता है, वह यह है कि इसमें रंगीन चित्र, चार्ट व वीडियो आदि के माध्यम से विषय को जीवंत बना दिया जाता है, जबकि पेपर–कंटेंट में बहुत कम किताबें ऐसी होती हैं, जिनमें रंगीन चित्र, चार्ट आदि का बहुतायत में समावेश हो।

दरअसल ऐसा इसलिए नहीं होता क्योंकि इसकी वजह से किताबों के दाम में अत्यधिक वश्द्धि हो जाती है। कुछ विषय ऐसे होते हैं जैसे विज्ञान, भूगोल आदि, जिनमें रंगीन चित्रों या वीडियो से विषय को बहुत आसानी से समझा जा सकता है। इन चित्रों व डायग्राम के अभाव में विषय को समझ पाना काफी दुष्कर कार्य है। कोरोना काल के बाद से उच्च शिक्षा से जुड़े छात्रों और अध्यापकों के लिए ई–कंटेंट का महत्त्व बहुत अधिक हो गया है। देश के अनेक राज्यों में अनेक विश्वविद्यालयों और अनेक कॉलेजों ने ई–कंटेंट को विकसित करके छात्रों को उपलब्ध करने की ओर ध्यान नहीं दिया है। मध्य प्रदेश ने इसकी शुरुआत की है। अन्य राज्यों को भी गति पकडनी चाहिए। आने वाले दिनों में ई–कंटेंट ऑनलाइन एजुकेशन की हमारी पढने–पढ़ाने की क्लासिक प्रणाली के साथ एक मजबूत ऐडऑन बनने वाला है। ई–कंटेंट ई–परीक्षा के लिए भी एक उपयुक्त आधार बन सकेगा। यह कोरोना जैसी स्थितियों में उच्च शिक्षा के क्षेत्र की मदद करेगा। वर्तमान में डिजिटल मोड और उच्च शिक्षा एक–दूसरे के पूरक साबित हो रहे हैं। यदि इस दिशा में आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाए जाते हैं तो इससे हमारी उच्च शिक्षा और ज्यादा प्रोग्रेसिव तथा समकालीन हो सकेगी। ई–कंटेंट की उपलब्धता और प्रयोग से छात्रों, अध्यापकों, परीक्षा से जुड़ी रेगुलेटरी संस्थाओं को काफी लचक मिल सकेगी। ई–कंटेंट क्लास टीचिंग का विकल्प न होकर एक डिजिटल लर्निंग टूल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उत्तर भारत के राज्यों में उच्च शिक्षा प्रशासन इस पर प्रोग्रेसिव कदम उठाए ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का श्रेष्ठ क्रियान्वयन हो सके।

कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पांच करोड़ से अधिक लोग होंगे लाभान्वित: योगी

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आजादी के बाद से लगातार उपेक्षित रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश को विकास की एक नई उड़ान के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार जताया।
उन्होंने बुधवार को कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अवसर पर स्वागत भाषण देते हुए कहा कि तथागत बुद्ध की पावन धरती पर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता व भारत के प्रधानमंत्री मोदी के कर–कमलों से 'कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' का लोकार्पण पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास को नई उड़ान देगा। इससे 5 करोड़ से अधिक नागरिक लाभान्वित होंगे।
उन्होंने कहा कि जब मैत्री और करुणा की बात आती है, तब विश्व सदैव भगवान बुद्ध का स्मरण करता है। यही बात प्रधानमंत्री मोदी ने यूएन असेंबली में कहा था कि 'भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध दिया है।' यह हमारा सौभाग्य है कि भगवान बुद्ध से जुड़े अधिकांश स्थल उत्तर प्रदेश में हैं।
उन्होंने कहा कि एयर कनेक्टिविटी केवल वायु सेवा के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान को जोड़ने का माध्यम ही नहीं है, बल्कि ढेर सारी योजनाओं को भी अपने साथ लेकर आ रही विकास की एक नई उड़ान है।
उन्होंने कहा कि 1947 से लेकर के 2014 तक उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट फंक्शनल थे। एक प्रदेश की राजधानी लखनऊ और दूसरा वाराणसी का एयरपोर्ट। उत्तर प्रदेश के कनेक्टिविटी उस समय मात्र 15 से 16 स्थानों के लिए थी, आज मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री के कर–कमलों से जिस एयरपोर्ट का लोकार्पण होने जा रहा है यह प्रदेश का नौवां एयरपोर्ट है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश 75 गंतव्य स्थानों पर वायु सेवा के साथ सीधे जुड़ जाएगा।योगी ने कहा कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज की यात्रा कर सकता है, इस परिकल्पना को उत्तर प्रदेश साकार कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर उत्तर प्रदेश का तीसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश 11 नए एयरपोर्ट पर कार्य कर रहा है, जिसमें दो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट भी शामिल है। एक अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण की कार्यवाही युद्ध स्तर पर आगे बढ़ रही है और दूसरा गौतमबुद्ध नगर में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कार्यवाही जोरों पर है। उन्होंने कहा कि यह कुशीनगर का एयरपोर्ट ना केवल उत्तर प्रदेश के लिए बल्कि पश्चिमी उत्तर बिहार और नेपाल के दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण एयरपोर्ट साबित होगा।

देश में 100 करोड़ कोरोना टीकाकरण पूर्ण होने पर सभी वैक्सिनेशन सेण्टरों पर उत्सव मनाया जायेगा

अवध की आवाज
कानपुर महानगर। इस सम्बन्ध में आज भारतीय जनता पार्टी , कानपुर महानगर उत्तर की एक बैठक पार्टी कार्यालय , नवीन मार्केट में आहूत की गयी । जिसमें जिलाध्यक्ष सुनील बजाज जी ने बताया कि नेतृत्व के निर्देश पर 100 करोड़ कोरोना वैक्सीनेशन पूर्ण होने पर सभी मण्डलों में आने वाले वैक्सीन सेण्टरों

पर पार्टी कार्यकर्ता उत्सव मनायेगें तथा वैक्सीन लगवाने वालों को चाय , पानी , बिस्कुट , फल आदि उपलब्ध कराके देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को धन्यवाद एवं आभार प्रेषित करेगें विश्व के प्रगतिशील देश आज भी कोरोना वैक्सीन के मामले में भारत से प्रतिशत के हिसाब से बहुत पीछे है । देश की जनता को इस महामारी से निजाद दिलाने में भारत सरकार ने व प्रधानमंत्री मोदी जी ने व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी ने अपनी पूर्ण रूप से जिम्मेदारी निभाते हुये उक्त कार्य को बहुत ही जल्द पूर्ण किया है , जिससे देश की जनता ने राहत महसूस की आज कोरोना जैसे राक्षस को देश से समाप्त करने के लिये माननीय मोदी जी का बहुत बहुत आभार दिनांक 21 अक्टूबर 2021 को भा.ज.पा कानपुर महानगर उत्तर जिला उर्सला अस्पताल में प्रातः 11रू00 बजे से उत्सव में अपनी सहभागिता करेगा। बैठक में प्रमुख रूप से वीरेश त्रिपाठी , सन्तोष शुक्ला , जितेन्द्र शर्मा , अवधेश सोनकर , जनमेजय सिंह , ऋचा सक्सेना , सत्यम , पारस मदान , रमाशंकर अग्रहरि , रवि पाण्डेय , जावेद आलम , रवि प्रकाश सिंह , जीतू आदि थेका जायजा लिया गया तथा सर्वसम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी सीतापुर विशाल भारद्वाज व पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री आर.पी. सिंह द्वारा संयुक्त रूप से जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया गया तथा सर्वसम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जियावन मंडल का भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया दौरा

अवध की आवाज
सिंगरौली। सिंगरौली भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष द्वारा संगठनात्मक रूप से जिले के जियावन मंडल का सघन दौरा किया गया। मंडल भ्रमण मे जिलाध्यक्ष के साथ जिला महामंत्री दिलीप शाह तथा जियावन मंडल के अध्यक्ष/वेंद्रनाथ चतुर्वेदी। मुख्य रूप से उपस्थित रहे जिला मीडिया प्रभारी योगेन्द्र कुमारश्रीवास्तव ने बताया कि जिलाध्यक्ष जी मंडल के विभिन्न ग्राम केंद्रों मे जाकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले एवं संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की जिलाध्यक्ष मंडल के कई ग्रामों मे जाकर आम ग्रामीणों से भी मिले तथा क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत हुए उनके यथास्थान निराकरण हेतु जनप्रतिनिधियों को प्रेरित किया मंडल प्रवास के दौरान जिलाध्यक्ष

प्यारे लाल चतुर्वेदी भाजपा जिला उपाध्यक्ष के निवास पर जाकर उनकी स्वर्गीय माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की मंडल भ्रमण के इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से मंडल महामंत्री राजेंद्र सिंह, रंगलाल प्रजापति,मंडल उपाध्यक्ष रविन्द्र तिवारी, अर्जुन यादव,ग्राम केंद्र संयोजक विवेक गुप्ता उपस्थित रहे।

महर्षि वाल्मीकि ने लिखा था संसार का पहला महाकाव्य रामायण, आज है इनकी जयंती:

परियर स्थित जानकी कुण्ड से जुडा पौराणिक इतिहास:
श्रीरामायण के श्लोकों से सभी को लेनी चाहिये सीख:

अवध की आवाज
उन्नाव। रवीन्द्र कुमार ने आनीय पन्नालाल हॉल में आदिकाल के कवि एवं भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की जयन्ती के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। जिलाधिकारी ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनपद उन्नाव में इनकी जयन्ती मनाने का अलग ही महत्व है क्योकि परियर स्थित जानकी कुण्ड से जुडा पौराणिक इतिहास से काफी कुछ जानने एवं उस पर अमल करने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि इनके लिखे आदिकाव्य रामायण संसार का सबसे पहला काव्य माना गया है। इसलिए वाल्मीकि को आदिकवि भी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार, इन्होंने कठिन तपस्या कर महर्षि पद प्राप्त किया था। आश्विन पूर्णिमा पर वाल्मीकि जयंती का पर्व मनाया जाता है। साधना पूरी करके जब ये बांबी जिसे वाल्मीकि कहते हैं, उससे बाहर निकले तो इनका नाम वाल्मीकि पड़ा। श्रीराम के संपूर्ण चरित्र का वर्णन बहुत ही आदर्श रूप में किया गया है। श्रीरामयण की चौपाइयों को सभी को पढना चाहिए हर श्लोक में बहुत ही आदर्श वचन होते है सभी को रामायण का अध्ययन करना चाहिए इससे मानसिक विकारों एवं जीवन की कठिनाईयों को दूर करने में मद्द मिलती है। सभी को रामायण के चरित्र से सीख लेनी चाहिए। आपसी विवाद से दूर रहना चाहिए।
इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर मुख्य विकास अधिकारी दिव्यांशु पटेल, अपर जिलाधिकारी राकेश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट सुश्री विजेता सहित जिला स्तरीय अधिकारीगणों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये महर्षि वाल्मीकि के जीवन चरित्र पर अपने–अपने विचार रखे।

मोटा कमीशन व चहेते ठेकेदार दे रहे विकास कार्यों को हवाला

विकास खण्ड रामपुरा में मोटा कमीशन व परसेंटेज का चल रहा खेला– सूत्र

अवध की आवाज
माधौगढ़ (जालौन) – भ्रष्टाचार का दीमक किस पैमाने पर है यह देखना बड़ा लाजमी है विकास खण्ड रामपुरा की ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों में शिथिलता है तो वहीं अधिकारीयों का गुडवैल व कार्यों का रवैया बड़ा दिलचस्प दिखायी पड़ता है विकास खण्ड में आयोजित बैठक बड़े पैमाने पर कड़े दिशा निर्देश व विकास कार्यों की तैयार रुप रेखा महज कहीं न कहीं बैठकों में ही सिमटकर रह जाती है बाहर आने पर कार्यों का ढंग शिथिल पड़ जाता है हालांकि यदि देखा जाये तो एक खास बात तो यह है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायतों को किस पैमाने पर रखा है यह सभी को वाकिफ है इसके लिए वह जिलाधिकारी , मुख्य विकास अधिकारी , व स्वयं ही बैठकों को आयोजित कर निर्देशित करते है कुछ दिन पूर्व ही विकास भवन सभागार में विकास कार्यों की बैठक में सीडीओ ने ग्राम पंचायत सचिवों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान सचिवों का ग्राम पंचायतवार रोस्टर तैयार करने का निर्देश दिया। कहा कि हर दिन बीडीओ व एडीओ पंचायत औचक निरीक्षण कर सचिवों की उपस्थिति जांचें। व्हाट्सएप पर लाइव लोकेशन मंगाएं। ग्रामपंचायतों में चल रहे कार्यों को सही ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद जिनके क्षेत्र में शौचालय निर्माण पूरा नहीं मिले, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि हर सचिव अपने क्षेत्र में सुदृढ़ ढंग से कार्य करें हालांकि यदि ग्राम पंचायतों की हालिया स्थिति को देख लिया जाये तो कुछ और ही वयां होता है सूत्रों के मुताबिक विकास खण्ड रामपुरा अपने विकास कार्यों में अलग ही चर्चित माना जाता है ग्राम विकास अधिकारियों का तो जबाब ही नही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायतों में ठेकेदार करायेंगे विकास कार्य हमें चाहिए कमीशन अब ऐसे में कितना विकास होगा कितना कमीशन बटेगा यह तय कर पाना तो विकास खण्ड की टेढ़ी खीर है ग्राम पंचायतों में सरकार द्वारा बनवाए गये सामुदायिक शौचालय तो लगभग तालों में ही बंद है , ग्राम पंचायतों की सफाई व्यवस्था का तो जबाब नही किसानों की समस्याओं का हल ढूड़कर बनवायी गयी गौशालाऐं लगभग ग्राम पंचायतों से गायब ही हो गयी गाय आवारा है किसानों की चिंताएं भी बढ़ गयी है , लगभग गाँव के रास्ते आज भी विकास कार्यों की पोल खोलते नजर आते है अब ऐसे में शिथिलता क्या है यह तो ग्राम पंचायतों के विकास कार्य ही वयां करते है । बीहड़ में नरेगा हो या विकास कार्य सभी मुख्यरुप से भ्रष्टाचार की भेंट ही चढ़ता दिखाई दे रहा है विकास खण्ड में चल रहा मोटा कमीशन सचिव से लेकर अन्य जिम्मेदार विकास कार्यों में अनदेखी कर पलड़ा झाड़ते ही दिखाई देते है हालांकि यदि देखा जाये तो नलकूपों की मरम्मत , नरेगा का तालाब , गूल , चकरोड व अन्य कार्यों को हबाला देते हुए लाखों का भुगतान घोटाले के रुप में ही अनुमानन समझ आया अभी हाल ही बीहड़ में आयी भीषण बाढ़ विभीषिका से सैकड़ों घर परिवार गाँव को त्याग आश्रय लेकर सुरक्षित स्थानों पर भेजे गये तो नही विकास कार्यों की ओट सहारे भ्रष्टाचार ने पूरी स्थिति को सामान्य कर दिया सूत्रों के मुताबिक मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों का मानना है ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों का होना महज एक औपचारिकता है ।

आर्थिक तंगी से परेशान ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

उन्नाव। उन्नाव गंगाघाट कोतवाली के अंतर्गत एक व्यक्ति ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर ट्रेन के आगे कूदकर कि अपनी जीवन लीला समाप्त।

मृतक का नाम चंद्र प्रकाश दीक्षित है उम्र 50 साल पुत्र विष्णु नाथ दीक्षित निवासी अम्बिकापुरम है। पत्नी का नाम अंजू, बेटे का नाम अनुराग दीक्षित व बेटी का नाम आकांक्षा दीक्षित है। बताया जा रहा है कि कानपुर कपड़ा बाजार में प्राइवेट नौकरी करते थे। कुछ दिनों पहले नौकरी छूट गई। जिससे परेशान चल रहे थे। अम्बिकापुरम स्कूल के पीछे ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली है।

मच्छरों को पनपने से रोकें, संचारी रोगों से बचें : डॉ. नीरज बोरा

संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान का किया शुभारम्भ
स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संचारी रोगों पर पा लेंगे काबू
सीफार के सहयोग से प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक को विधायक ने सराहा

अवध की आवाज
लखनऊ। जनपद में एक माह तक चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान का शुभारम्भ मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों ने किया । इसी क्रम में लखनऊ उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. नीरज बोरा ने प्रियदर्शिनी कालोनी क्षेत्र से हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की । उन्होंने कहा कि सघन अभियान चलाकर संचारी रोगों पर नियंत्रण की स्वास्थ्य विभाग की पूरी तैयारी है । इस अभियान में नगर निगम व अन्य विभाग स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करेंगे । आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ ही अन्य अन्य विभागों के कार्यकर्ता घर–घर पहुंचकर लोगों को जागरूक करने के साथ ही साफ–सफाई व छिड़काव आदि की व्यवस्था करेंगे । इस मौके पर डॉ. बोरा ने कहा कि संचारी रोगों को लेकर बहुत ही संवेदनशील (हाट स्पाट) क्षेत्र में शामिल रहे फैजुल्लागंज में अगले माह 100 बेड के अस्पताल के शिलान्यास की पूरी तैयारी है । अस्पताल के बन जाने से यहाँ के लोगों को डेंगू, मलेरिया आदि के साथ ही अन्य बीमारियों का इलाज और आसान हो जायेगा । इसके अलावा रहीम नगर डुडौली व दाऊद नगर में स्वास्थ्य केंद्र काम रहे हैं, जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है । उन्होंने कहा कि मच्छर जनित बीमारियों पर काबू पाने में सभी के सहयोग की जरूरत है क्योंकि अगर हम मच्छर को पनपने ही न दें तो बीमारी, जाँच और इलाज की नौबत ही न आये । इसके लिए जरूरी है कि हम अपने

आस–पास साफ–सफाई रखें, पानी को जमा न होने दें क्योंकि जहाँ भी पानी जमा होगा वहीं पर मच्छर पनपेगा । एम्बेड संस्था द्वारा तैयार किये गए जागरूकता सम्बन्धी पोस्टर का विमोचन करते हुए विधायक ने उपस्थित पार्षदों से कहा कि वह भी अपने क्षेत्र व अपने कार्यालय में इन पोस्टरों को लगाएं ताकि लोगों को इस बारे में ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा सके ।
इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व संचारी रोग नियंत्रण के नोडल अधिकारी डॉ. के.पी. त्रिपाठी ने अभियान के बारे में विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि घर–घर आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पहुंचेंगी और लोगों को जागरूक बनाने के साथ ही सर्दी–जुकाम–बुखार से पीड़ित लोगों की, टीबी के लक्षण वालों की और कुपोषित बच्चों की सूची तैयार करने के साथ ही कोविड टीकाकरण के लिए भी लोगों को प्रेरित करेंगी । संचारी रोग नियंत्रण अभियान 19 अक्टूबर से 17 नवम्बर तक चलेगा, इसके साथ ही 19 अक्टूबर से एक नवम्बर तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा । उन्होंने लोगों से अपील की कि अपने घरों व आस–पास साफ–सफाई का पूरा ख्याल रखें । कूलर का पानी नियमित रूप से बदलते रहें, इस्तेमाल के पानी को ढककर ही रखें, छत पर पड़े अनुपयोगी सामानों में पानी न जमा होने दें । उन्होंने बताया कि जनवरी से अब तक उनकी टीम ने करीब तीन लाख घरों का दौरा किया है, जल जमाव के स्रोतों को खत्म किया गया है, फैजुल्लागंज व खदरा में मेडिसिन किट का वितरण किया गया है । इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी डी. एन. शुक्ला ने भी अभियान को सफल बनाने की सभी से अपील की ।
इस मौके पर स्वयंसेवी संस्था सेंटर फार एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के सहयोग से आकार फाउंडेशन के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया । नाटक 'जागो रे जागो' के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट सन्देश दिया कि किस तरह से सतर्कता बरत कर हम डेंगू, मलेरिया व अन्य संक्रामक बीमारियों से बच सकते हैं । डॉ. नीरज बोरा ने नुक्कड़ नाटक की सराहना की और कहा कि इस तरह की प्रस्तुति से लोगों को बड़ी आसानी से जागरूक किया जा सकता है ।
इस मौके पर जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अलीगंज की अधीक्षक डॉ. अनामिका गुप्ता, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी दीवान चन्द्र वर्मा, मलेरिया निरीक्षक प्रशांत वर्मा, फैजुल्लागंज–3 के सभासद अमित मौर्य, फैजुल्लागंज–2 के सभासद जग लाल यादव, अयोध्या दास वार्ड की सभासद कुमकुम राजपूत, जानकीपुरम द्वितीय के सभासद प्रतिनिधि दीपक मिश्रा के अलावा सीफार, एम्बेड व पाथ संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

सरलता और प्रतिभा के धनी सहकारिता राज्यमंत्री डॉक्टर संगीता बलवंत जी से एक यादगार मुलाकात

अवध की आवाज ब्यूरो
लखनऊ। सोन आदिवासी शिल्पकला ग्रामोद्योग समिति के अध्यक्ष जगदीश साहनी जी की पत्रिका स्मारिका के एक संस्करण में गाजीपुर सदर विधायक डॉ संगीता बलवंत जी का लेख और मेरा लेख निकला था कभी मुलाकात होगी ऐसी कल्पना नहीं थी। सरल गंभीर और दूरदर्शी प्रतिभा के धनी राज्य मंत्री जी से हमारा गाजीपुर के नाते का पुराना नाता है पर मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
जगदीश साहनी जी और सहकारिता राज्यमंत्री आदरणीय संगीता बलवंत जी से मुलाकात हुई चर्चा और परिचर्चा के क्रम में भारतीय नागरिक परिषद के कार्यक्रमों तथा गरीबों और महिलाओं की स्थिति सुधार के लिए योजनाओं का लाभ कैसे पहुंचा जाए इस पर चर्चा हुई। नए दायित्वों के लिए डॉक्टर संगीता बलवंत जी को पुष्प कुछ देकर बधाई दी गई और महिला नेतृत्व के आगे आने के लिए सरकार के कार्य की प्रशंसा की ।
डॉक्टर संगीता बलवंत राज्यमंत्री सहकारिता के आवास पर मिलकर सोन आदिवासी शिल्पकला ग्रामोद्योग समिति के अध्यक्ष जगदीश साहनी ने पुष्पगुच्छ देकर किया सम्मानित । मंत्री को सोनभद्र के आदिवासियों के उत्थान व विकास की बात कही है ताकि आदिवासी समाज मुख्य धारा से जुड़ सकें । सोनभद्र नक्सल प्रभावित जिला है पड़ोसी राज्य बिहार,झारखण्ड,छत्तीसगढ़, है पहाड़ी घाटी है कभी नक्सलियों की गोली से घाटी गूंजने लगती थी आज उत्तर प्रदेश की उत्तर प्रदेश पुलिस के सिपाही से दरोगा व एस पी स्तर के अधिकारियों की कड़ी मेहनत के बाद सोनभद्र नक्सलियों के आतंक से मुक्त है नक्सली अब उत्तर प्रदेश की सीमा को छोड़कर अन्यत्र प्रदेश भाग गये है । सोनभद्र में मल्लाह जाति को बेरोजगारी से रोजगार देने पर चर्चा हुई । राजनाथ सिंह जी की उत्तर प्रदेश में सरकार थी उन्होंने मल्लाह समाज को नदी घाट का ठेका,मत्स्य आखेट का ठेका , नदी तल से बालू उत्तखनन का ठेका दिया गया था । राजनाथ सिंह जी की सरकार जाते ही नई बीएसपी की सरकार बनी वह पट्टा नई सरकार ने निरस्त कर दिया था ।
स्मारिका आदिवासियों के जीवन उनके उन्नयन और उनके द्वारा किए गए कार्यों को दर्शाने की एक सराहनीय पत्रिका है। आज एक और जहां देश की बढ़ती हुई आबादी में आदिवासियों के उत्थान की बातें तो बस की जाती है पर यदि देखा जाए तो सामान्य जनजीवन से कटी हुई अनेक आदिवासी जनजातियां आज भी हमारे बीच हैं जिनके बारे में हम कुछ नहीं जानते ... .स्मारिका पत्रिका के माध्यम से जगदीश साहनी जी आदिवासियों के उन विभिन्न पहलुओं को समाज के सामने लाने का प्रयास करते हैं जो आदिवासी जनजातियों के उत्थान के लिए आवश्यक है।
समय समय पर स्मारिका पत्रिका में डॉक्टर संगीता बलवंत राज मंत्री जी सामाजिक चिंतन पर लिखे हुए अपने लेखों और कविताओं के द्वारा आदिवासी चिंतन पर अपने विचार व्यक्त करती रहती हैं।
महिलाओं के स्वास्थ्य और उन को स्वावलंबी बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं में सरकार द्वारा क्या–क्या सुविधाएं आदिवासी महिलाओं को दी गई हैं इस पर भी खुलकर चर्चा हुई और भविष्य में पत्रिका के माध्यम से आदिवासी के जनजीवन को पूरे देश में पहुंचाने की बात पर गंभीरता से चर्चा हुई।
जगदीश साहनी जी के साथ सोनभद्र और जहुराबाद के प्रतिनिधि शामिल थे। लखनऊ से शिक्षक प्रतिनिधि के तौर पर रीना त्रिपाठी और रेनू त्रिपाठी इस परिचर्चा में सम्मिलित हुई।
अगले अंक में आदिवासियों के जनजीवन और समिति से जुड़े हुए लेख के साथ फिर आपके सामने आए इसी आशा और विश्वास के साथ.........

एंथोलॉजी एक्सट्रपलेशन्स के लिए मेरिल स्ट्रीप, किट हैरिंगटन के साथ काम करेंगे आदर्श गौरव

मुंबई, (वेब वार्ता)। अभिनेता आदर्श गौरव हॉलीवुड की हस्तियों जैसे मेरिल स्ट्रीप, सिएना मिलर, किट हैरिंगटन और ताहर रहीम के साथ एक आगामी एंथोलॉजी एक्सट्रपलेशन्स में स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए दिखाई देंगे। इसमें मैथ्यू राइस, डेवेड डिग्स, ईमानदारी से कह सकता हूं। लेकिन मेरे करियर के शुरूआती मोड़ पर इतनी अविश्वसनीय टीम के साथ काम करना वाकई फायदेमंद है। मैं इस परियोजना का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं और आभारी हूं कि मैं व्यवसाय में कुछ बेहतरीन लोगों के साथ काम करूंगा।

गेम्मा चौन और डेविड शिवमर भी हैं। श्रश्ंखला इस बात की कहानियों की पड़ताल करती है कि कैसे ग्रह में परिवर्तन प्रेम, परिवार और व्यक्तिगत स्तर पर और बड़े मानव स्तर पर काम को प्रभावित करेगा। यह एक 8 इंटरकनेक्टेड एपिसोडिक श्रश्ंखला है और वर्तमान युग में दुनिया भर में अस्तित्व की आवश्यकता को प्रदर्शित करेगी। द व्हाइट टाइगर में अपने प्रदर्शन से वैश्विक स्तर पर सुर्खियां बटोरने वाले आदर्श ने कहा कि यह किसी भी चीज से परे है जिसे मैं उन्होंने आगे कहा, मैं अपने प्रत्येक सह–कलाकार को देखाकर बड़ा हुआ हूं, और अब उनके साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना अविश्वसनीय है। यह कहानी हमारी वर्तमान पीढ़ी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और आज की वास्तविकताओं से जुड़ी हुई है। आदर्श ने हाल ही में यूएस के लिए उड़ान भरी, जहां वर्तमान में शो के प्रोडक्शन में जाने की उम्मीद है। वह अनन्या पांडे और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ खो गए हम कहां शुरू करने के लिए भारत वापस जाने से पहले इस परियोजना को पूरा करेंगे।

उमा थुरमन सुपर पम्पड सीरीज में एरियाना हफिंगटन की भूमिका निभाएंगी

लॉस एंजिल्स, (वेब वार्ता)। ऑस्कर और एमी नामांकित अभिनेत्री उमा थुरमन शो टाइम सीरीज सुपर पम्पड में एरियाना हफिंगटन की भूमिका निभाएंगी। डेडलाइन डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, वह बिलियन के सह–निमार्ता ब्रायन कोप्पेलमैन और डेविड लेविन की एंथोलॉजी सीरीज की पहली किस्त में जोसेफ गॉर्डन–लेविट और काइल चौंडलर के साथ दिखाई देने के लिए तैयार हैं। माइक इसाक की बेस्टसेलिंग किताब सुपर पंपडः द बैटल फॉर ऊबर पर आधारित, शोटाइम की सुपर पंप्ड राइड–शेयरिंग कंपनी की कहानी बताती है, जिसमें आंतरिक और बाहरी लड़ाइयों के अप्रत्याशित परिणाम सामने आते हैं। ट्रैविस कलानिक (गॉर्डन–लेविट), ऊबर के

हार्ड–चार्जिंग सीईओ ने बताया कि श्रश्ंखला अपस्टार्ट ट्रांसपोर्ट कंपनी की रोलर–कोस्टर राइड को चित्रित करेगी। थुरमन द हफिंगटन पोस्ट के सह–संस्थापक और ऊबर बोर्ड के सदस्य एरियाना हफिंगटन के रूप में कार्य करेंगी। वह अतिरिक्त कलाकारों एलिजाबेथ शु, केरी बिशे, जॉन बास, ब्रिजेट गाओ हॉलिट और बाबक टाफ्टी के साथ भी शामिल होंगी। सुपर पम्पड एंथोलॉजी श्रश्ंखला का प्रत्येक सीजन में एक ऐसी कहानी का पता लगाएगा जिसने व्यापारिक दुनिया को हिलाकर रख दिया है। थुरमन को किल बिल गाथा और पल्प फिक्शन सहित कई क्वेंटिन टारनटिनो परियोजनाओं में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

आयुष्मान खुराना ने मालदीव से शेयर की रोमांटिक तस्वीर, वाइफ ताहिरा को बताया- मर्लिन मुनरो

मुंबई, (वेब वार्ता)। आयुष्मान खुराना अपनी वाइफ ताहिरा कश्यप के साथ रोमांटिक वकेशन पर मालदीव में हैं, जहां से उन्होंने एक खूबसूरत तस्वीर शेयर करते हुए वाइफ की तुलना मर्लिन मुनरो से की है। इस फोटो में समंदर पर बने रिजॉर्ट में आयुष्मान के साथ ताहिरा लाजवाब पोज देती नजर आ रही हैं। आयुष्मान खुराना ताहिरा के साथ इस तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'मर्लिन और मैं।' दरअसल इस तस्वीर में ताहिरा के ड्रेस का अंदाज मर्लिन मुनरो की फेमस फोटो से मिलता–जुलता नजर आ रहा है। इससे पहले ताहिरा कश्यप ने इस वकेशन से अपनी कई खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडियो पर शेयर की थीं। इस तस्वीर में ताहिरा यलो बिकीनी में पोज देती नजर आ रही हैं। ताहिरा ने मालदीव वाले कुछ वीडियोज भी शेयर किए हैं, जिसमें वह मालदीव के समंदर की खूबसूरती में डूबी नजर आ रही हैं। एक अन्य वीडियो में वह साइकिल पर बेटी को बिठाकर ले जाती नजर आ रही हैं। वर्कफ्रंट

की बात करें तो आयुष्मान खुराना की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं। इन फिल्मों में राज शांडिल्य निर्देशित 'गूगली', मुदस्सर अजीज निर्देशित 'छोटी सी बात रीमेक', अनुभव सिन्हा निर्देशित 'अनेक', अमित शर्मा 'बधाई हो 2', अभिषेक कपूर की 'चंडीगढ़ करे आशिकी', अनुभूति कश्यप की 'डॉक्टर जी', अनिरुद्ध अय्यर की 'एक्शन हीरो' शामिल है। वहीं ताहिरा कश्यप ने भी निर्देशन की दुनिया में एंट्री मारी है और अपनी पहली फिल्म 'शर्माजी की बेटी' (Sharmji Ki Beti) को लेकर चर्चा में हैं।

भारत, ब्रिटेन ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों, आतंकवाद रोधी कदमों, जलवायु परिवर्तन पर चर्चा की

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। भारत और ब्रिटेन ने संयुक्त राष्ट्र में सुधार, आतंकवाद रोधी कदमों, शांतिरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे आपसी हितों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूसरी भारत–ब्रिटेन बहुपक्षीय वार्ता के तहत यह चर्चा सोमवार को लंदन में की गई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतश्त्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक) प्रकाश गुप्ता ने किया, जबकि ब्रितानी प्रतिनिधिमंडल का नेतश्त्व ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय में संयुक्त राष्ट्र के लिए उप राजनीतिक निदेशक हैरियट मैथ्यूज ने किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ब्रितानी प्रतिनिधिमंडल ने अगस्त 2021 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सफलतापूर्वक अध्यक्षता करने के लिए भारत को बधाई दी। इस बैठक में संयुक्त राष्ट्र में सुधारों, आतंकवाद रोधी कदमों, शांतिरक्षा एवं जलवायु परिवर्तन जैसे आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने राष्ट्रमंडल रणनीतिक योजना और प्राथमिकताओं पर विचार साझा किए। बयान में बताया गया कि प्रतिनिधिमंडलों ने बहुपक्षीय मामलों पर आपसी सहयोग को और गहरा करने के लिए निकटता से काम करते रहने पर सहमति जताई।

'भारतीय पनडुब्बी को जल क्षेत्र में प्रवेश से रोकने का पाकिस्तानी नौसेना का दावा विश्वसनीय नहीं'

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। पाकिस्तान द्वारा भारतीय पनडुब्बी को पिछले सप्ताह अपने जल क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने का मंगलवार को किया गया दावा विश्वसनीय नहीं है और इस बारे में सामने आए ब्यौरे के अनुसार यह पनडुब्बी पड़ोसी देश के जल क्षेत्र की सीमा से काफी दूर थी। नौवहन अभियानों से परिचित अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के जल क्षेत्र की सीमा उसके तट से 12 समुद्री मील की दूरी तक है। नौवहन अभियान से परिचित अधिकारियों ने बताया कि इस बारे में सामने आए ब्यौरे के मुताबिक पनडुब्बी की स्थिति कराची बंदरगाह से 150 समुद्री मील दूर थी जो पाकिस्तानी जल क्षेत्र की सीमा से काफी दूर है। हालांकि पाकिस्तान के इस दावे पर भारतीय नौसेना की प्रतिक्रिया अभी नहीं आई है। पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार को दावा किया था कि उसने पिछले सप्ताह भारत की एक पनडुब्बी को पाकिस्तानी जलक्षेत्र में घुसने से रोक दिया। इस संबंध में पाकिस्तानी सेना एक बयान में कहा कि घटना 16 अक्टूबर को हुई, जब पाकिस्तानी नौसेना के एक गश्ती विमान ने भारतीय पनडुब्बी की मौजूदगी का पता लगाया। बयान में कहा गया कि उसकी नौसेना ने ''16 अक्टूबर को भारतीय पनडुब्बी का पता लगाया और उसे पाकिस्तानी जलक्षेत्र में घुसने से रोक दिया गया। बयान में कहा गया कि यह इस तरह की तीसरी घटना है, जब भारतीय पनडुब्बी का समय से पहले ही पता लगा लिया गया और उसे रोक दिया गया। पाकिस्तानी सेना ने इस कथित घटना की एक छोटी वीडियो फुटेज भी जारी की। बयान में दावा किया गया है कि इस तरह की एक घटना पिछली बार मार्च 2019 में हुई थी, जब पाकिस्तानी नौसेना ने एक भारतीय पनडुब्बी का पता लगाकर उसे देश के जलक्षेत्र में घुसने से रोक दिया था। इसमें दावा किया गया कि भारतीय पनडुब्बी द्वारा इस तरह का एक और प्रयास नवंबर 2016 में किया गया था, जिसका पता लगाकर उसे पाकिस्तान के जलक्षेत्र से बाहर कर दिया गया था।

देश में २२९ दिन में कोविड-१९ के सबसे कम उपचाराधीन मरीज

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। भारत में एक दिन में कोविड–19 के 14,623 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,41,08,996 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी कम होकर 1,78,098 हुई, जो 229 दिन में सबसे कम है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 197 और लोगों की मौत के बाद मश्तक संख्या बढ़कर 4,52,651 हो गई। देश में लगातार 26 दिनों से कोविड–19 के दैनिक मामले 30 हजार से कम हैं और 115 दिन से 50 हजार से कम नए दैनिक मामले सामने आ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, देश में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,78,098 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.52 प्रतिशत है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 5,020 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.15 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

हमने लोगों में यह विश्वास कायम किया है कि भ्रष्टाचार से लड़ना मुमकिन है : मोदी

केवड़िया (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार पिछले छह–सात साल में कड़ी मेहनत कर जनता के बीच यह विश्वास कायम करने में सफल हुई है, कि भ्रष्टाचार को रोकना संभव है और बिना बिचौलियों के भी उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है। गुजरात के केवड़िया में साल में कड़ी मेहनत कर जनता के बीच यह विश्वास कायम करने में सफल हुए हैं कि देश में भ्रष्टाचार रोकना संभव है। देश में लोगों को अब विश्वास है कि आज बिना बिचौलियों के भी उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है। उन्होंने कहा, '' भ्रष्टाचार, चाहे छोटा हो या बड़ा होकृइससे हमेशा आम जनता के

केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक संयुक्त सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने की इच्छा नहीं थी। मोदी ने कहा, '' हम पिछले छह–सात अधिकारों का हनन होता है। यह देश की प्रगति में बाधक है और हमारी सामूहिक रूप से काम करने की शक्ति को प्रभावित करता है।'' मोदी ने यह भी कहा कि देश और उसके लोगों के साथ विश्वासघात करने वालों को दुनिया में कहीं भी पनाह नहीं मिलनी चाहिए।

दो दिनों की शांति के बाद पेट्रोल-डीजल में फिर लगी आग

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में कल रात रही तेजी के आज कुछ नरमी दिखने के बावजूद बुध

वार को घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर से आग लग गयी। बुधवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल फिर से 35–35 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया। इससे पहले रविवार को देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार चौथे दिन 35–35 पैसे प्रति लीटर की बढोतरी की गयी थी। आज की बढ़त के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 106.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.92 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। मुंबई में पेट्रोल 112.11 रुपये और डीजल 102.892 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल सबसे महंगा 114.81 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 104.15 रुपये प्रति लीटर पर है। पटना में पेट्रोल 109.64 रुपये और डीजल 101.50 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरू में पेट्रोल 109.89 रुपये और डीजल 100.75 रुपये प्रति लीटर पर है। राँची में पेट्रोल के साथ ही डीजल भी शतक लगा चुका है। पेट्रोल 100.58 रुपये और डीजल 101.17 रूपये प्रति लीटर पर है। दिल्ली एनसीआर के नोएडा में पेट्रोल 103.04 रुपये और डीजल 95.56 रुपये प्रति लीटर पर है। अभी देश के अधिकांश प्रमुख बड़े शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो गयी है और देश के अधिकांश बड़े शहरों में डीजल भी शतक लगाने की ओर बढ़ रहा है। कुछ शहरों में डीजल 100 रुपये के पार पहुंच चुका है। इस महीने में अब तक 20 दिनों में से 15दिनों में इन दोनों की कीमतों में बढोतरी हुयी है। इस महीने में अब तक पेट्रोल 4.55 रुपये प्रति लीटर और डीजल 5.15 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल अभी भी ऊंचे स्तर पर बना हुआ। मंगलवार को अमेरिकी बाजार में ब्रेंट क्रूड 0.75 डॉलर की बढ़त के साथ 85 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। इसी तरह से अमेरिकी क्रूड भी 0.52 डॉलर की तेजी के साथ 82.96 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। हालांकि बुधवार को सिंगापुर में शुरूआती कारोबार में कच्चे तेल में नरमी देखी गयी। ब्रेंट क्रूड 0.40 डॉलर टूटकर 84.68 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.30 डॉलर उतरकर 82.66 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। पिछले सप्ताह भी इन दोनों में करीब तीन फीसदी की तेजी देखी गयी थी।

तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 106.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.92 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया।

पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहेः

न्यायालय ने नारायण साई को फर्लो दिए जाने के गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले को खारिज किया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने आसाराम के बेटे एवं बलात्कार के दोषी नारायण साई को 14 दिन की 'फर्लो' दिए जाने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को बुधवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने साई को 'फर्लो' देने के अदालत के 24 जून के आदेश को चुनौती देने वाली गुजरात सरकार की याचिका स्वीकार कर ली। शीर्ष अदालत ने कहा कि 'फर्लो' कोई पूर्ण अधिकार नहीं हैं और इसे देना कई कारकों पर निर्भर करता है। उसने कहा कि साई की कोठरी से एक मोबाइल फोन मिला था, इसलिए जेल अधीक्षक ने राय दी थी कि उसे 'फर्लो' नहीं दी जानी चाहिए।

अखिलेश का तंज, बोले भाजपाइयों ने एक ईट तक नहीं लगाई

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के उद्घाटन पर निशाना साधा और कहा कि भाजपाइयों ने इस एयरपोर्ट की एक ईंट तक नहीं लगाई है। अखिलेश यादव ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन को लेकर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि भाजपाइयों ने इस एयरपोर्ट की एक ईंट तक नहीं लगाई, अब सपा के कामों का उद्घाटन करने के लिए कैंची, फीता, माला और मिठाई लेकर आ गए हैं। उन्होंने लिखा कि भाजपाई ये याद रखें कि पायलट बनने से प्लेन आपका नहीं हो जाता,और ये भी कि जिस रनवे से आप उड़ान भर रहे हैं उसकी जमीन किसी और ने तैयार की थी। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत बौद्ध समाज की आस्था–श्रद्धा का केंद्र है। आज कुशीनगर दुनिया से जुड़ गया है। कुशीनगर हवाई अड्डा सिर्फ एयर कनेक्टिविटी के लिहाज से ही महत्वपूर्ण नहीं है। इससे किसान, पशुपालक, दुकानदार, मजदूर, स्थानीय उद्योगपति, सभी लाभान्वित होंगे। पर्यटन में असीमित वशद्धि होगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। आने वाले तीन से चार वर्षों में देश में 200 से अधिक एयरपोर्ट, सीपौड का नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश है। मोदी ने कहा कि उड़ान योजना के तहत बीते कुछ वर्षों में 900 से ज्यादा एयर रूट्स की स्वीकृति दी जा चुकी है और इनमें से 350 पर सेवाएं शुरू भी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्घ से जुड़े स्थानों का विकास सरकार की प्राथमिकताओं में है। इसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जा रहा है।

लखीमपुर में नाव पलटने का मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, हर संभव किया जाए मदद

लखनऊ, (वेब वार्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद लखीमपुर खीरी में घाघरा नदी में नाव पलटने से लोगों के डूबने की दुर्घटना का संज्ञान लिया है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव एवं राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबन्धन की टीम की मदद लेते हुए तेजी से बचाव व राहत कार्य किये जाए। उन्होंने अधिकारियों को दुर्घटना के प्रभावितों को हर सम्भव मदद प्रदान करने के भी निर्देश दिये हैं। बताते चलें कि लखीमपुर खीरी के घाघरा नदी में नाव पलटने से बड़ा हादसा हुआ है। हादसे में 10 से 11 लोगों के डूबनें की खबर है। हालांकि यह संख्या घट बढ़ भी सकती है क्योंकि अभी भी राहत कार्य जारी है और मौत का आंकड़ा स्पष्ट नहीं हुआ है।

मीग्नी इंग्लिश मीडियम स्कूल व जूनियर हाईस्कूल मच्छकछा रसोईया के भरोसे चल रहा

अवध की आवाज

माधौगढ़ जालौन। माधौगढ विकास खंड के ग्राम पंचायात मीगनी में इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय रसोइया के भरोसे चल रहा, इंचार्ज सहायक अध्यापक आकाश गहोई वर्षा का बहाना बना कर घर पर आराम कर रहे ऑर रसोईया विद्यालय खोलकर बैठ जाती है लेकिन मजे की बात तो यह है कि जिले

पर बैठे अधिकारी आंख बंद करके बैठे है एक तरफ सड़क के किनारे बने विद्यालय में उरई से लेकर माधौगढ़ ब रामपुरा तक 6, व 7, अध्यापक तैनात कर दिए सुविधा शुल्क की दम पर और जनपद के मैन रोड से दूर स्थिति 5 , किमी य 10 किमी दूर पर एक अध्यापक तैनात है जहा रसोइया विद्यालय चला रही जिनकी न तो बी एस ए महोदय खबर लेते और न ही ए बी एस तो देखने तक नही जाते विद्यालय और ए बी एस को कोई जानकारी तक नही किस विद्यालय में कितने अध्यापक है और कोन अध्यापक आ रहा कौन नही आता कभी भी बीहड़ झेत्र में भ्रमण नही करते बी आर सी पर बैठ कर खाना पूर्ति होती है वही जूनियर हाई स्कूल मीगनी में एक अध्यापक अमर सोनी विद्यालय में उपस्थित पाए गए तो वही संजय कुमार स अ ऑनलाइन छुट्टी पर और दूसरे आशीष कुमार से जब फोन पर बात की तो बी एल ओ में ड्यूटी कटवाने का बहाना बताया अब यह तो अधिकारी ही बता सकते घर पर या उरई गए , जव की 3 अध्यापक जूनियर हाईस्कूल में तैनात पढ़ाई चौपट है वही मीडिया कर्मी ने कक्षा 8 के छात्र अवनीश से किताब में लिखा नाम पूछा तो नाम नही बता पाया कितनी अच्छी पढ़ाई हो रही की नाम पढ़ना भी नही सिख पाया कक्षा 8 का छात्र इसे क्या कहा जाए स्कूल में अध्यापकों की लापरवाही या पढ़ाई नहीं की जाती वाह योगी मोदी की सरकार चाहे जितनी योजनाएं संचालित करो लेकिन शिक्षा विभाग के अधिकारी सरकार की संचालित योजनाओ को जमकर चूना लगाने में लगी। यह है सरकारी स्कूल में शिक्षा का स्तर बच्चो को नाम तक पढ़ना नहीं आता वाह योगी मोदी की सरकार वाह बी एस ए प्रेम चंद साहब का शासन वाह ए बी एस ए नेत्रपाल सिंह की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है इसके बाद जब जब मीडिया की टीम में मचकछा पहुंचकर देखा तो जूनियर हाईस्कूल बंद जब मास्टर साहब को फोन लगाया तो उन्होंने बताया की सूपा निकल गए स्कूल में रसोइया को पता चला तो वह आनन फानन में भाग कर आई और उससे जानकारी की तो पता चला कि न तो रसोइया आती और न ही एम डी एम बनता है और न ही कभी भी सी डी पी ओ , या सुपर वाइजर कभी भी आंगन वाडी केंद्र का निरीक्षण करने नही आते और न कोई बच्चे आंगन वाडी केंद्र में नहीं आते और फर्जी कागजों पर पोषा हार वितरण दिखाया जाता ।हकीकत तो यह है की योगी मोदी सरकार को बदनाम करने में लगे शिक्षा विभाग व बाल विकास पुष्टाहार के अधिकारी व कर्मचारी व शिक्षक व सी डी पी ओ माधौगढ़ कपिल शर्मा व सुपर वाइजर जो जिला मुख्यालय पर बैठकर खाना पूर्ति करते है जिनका जीता जागता उदाहरण सामने देखने को मिल रहा न तो शिक्षक मौके पर मिले और न आंगन वाडी केंद्र पर कार्यकत्री, और सहायक कोई भी नही और न बच्चे मिले और आंगन वाडी सहायक को सूचना मिलने पर प्रिमिला हाफती भागती हुई केन्द्र पर पहुंची जब उनसे मास्टर साहब की जानकारी कि तो सुनीत कौशिक के बारे में झूठ बोल रही थी कि अभी गए और अन्य लोगो से जानकारी की तो सुनीत कौशिक आए ही नहीं थे आखिर यह भ्रष्टाचार का खेल कब तक चलेगा विद्यालय आयो या न आयो खाना पूर्ति कंप्लीट करो और मीडिया वालो से झूठ बोलकर बताते है की मैं अभी निकला जब कहा की दो मिनट रुको अभी आ रहा हूं तो कहते में सूपा से निकल गए जब की सूपा की रास्ता बंद थी बाद में मिल लेंगे यह कहकर फोन काट दिया आखिर यह खेल कब तक चलेगा योगी मोदी भाजपा सरकार को बदनाम करेगा एक तरफ योगी मोदी सरकार संचालित योजनाएं धरातल पर चलान चाहते और अधिकारी कर्मचारी सिर्फ कागजों में दिखाने का कार्य कर रहे बीहड़ क्षेत्र में अध्यापक जाना नहीं चाहते और अधिकारी भी बीहड़ क्षेत्र में कभी भी जाने की जहमत नहीं जुटाते और न ही निरीक्षण करने जाते ।जव की बी एस ए द्वारा रोड के किनारे के स्कूलों में सुविधा शुल्क की दम पर एक स्कूल में 5 से 8 अध्यापको को तैनाती दे रहे तो वही बीहड़ में एक अध्यापक व रसोईया के भरोसे विद्यालय चल रहे एक अध्यापक विद्यालय का कार्य करे या बच्चो को पढ़ाए । ऐसी क्या मजबूरी है बी एस ए साहब की जो रोड किनारे के जिला मुख्यालय से जुड़े विद्यालय में भीड़ एकत्रित किए बच्चे कम अध्यापक ज्यादा वही दूसरी ओर बीहड़ क्षेत्र में बच्चे ज्यादा एक अध्यापक वाह भाजपा सरकार के अधिकारी ।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।